बाँस की ये बंसी सौतन है मेरी | By Rakesh Kala , Chetna Shukla |

बाँस की ये बंसी
क्यों न जाने मन की
सौतन है मेरी
ये कान्हा, सौतन है मेरी

साँझ सबेरे होठों से
क्यों रहता तू लगाये
बाँस की ये पोरी कान्हा
मोहे बहुत सताये

बाँस की ये बंसी
कहो राधे कैसे
सौतन है तेरी
ओ राधे, सौतन है तेरी

साँझ सबेरे मधुर-मधुर
ये धुन मोहे सुनाये
ग्वालों का, सखियों का राधे
दिल तो ये बहलाये

बाँस की ये बंसी
क्यों न जाने मन की
सौतन है मेरी
ये कान्हा, सौतन है मेरी
सौतन है तेरी
ओ राधे, सौतन है तेरी

बोल न राधे रानी
बंसी पे क्यों गुस्सा आये
तुझको ही न भाये
सारी दुनिया को ये भाये

मैं सब जानूँ, बंसी बजाके
सखियों को रिझाये
अधरों पे ये शाम सबेरे
राधे को तरसाये

मुझको यूँ सताना
मुझको यूँ तड़पाना
आदत है तेरी
ओ कान्हा, आदत तेरी

बाँस की ये बंसी
कहो राधे कैसे
सौतन है तेरी
ओ राधे, सौतन है तेरी

इतना तो बता दो कान्हा

मुरली कहाँ से लाये
इस बैरन बंसी से कैसे
पीछा छुड़ाया जाये

मुझको तो ये मुरली राधे
प्राणों से भी प्यारी
बाँस की ये बंसी राधे
ये न कोई कटारी

वार करे दिल पे
मार करे दिल पे
बैरन है मेरी
ये बंसी बैरन है मेरी

बाँस की ये बंसी
कहो राधे कैसे
सौतन है तेरी
ओ राधे, सौतन है तेरी

बाँस की ये बंसी
क्यों न जाने मन की
सौतन है मेरी
ये कान्हा, सौतन है मेरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%82%e0%a4%b8%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%8c%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0/